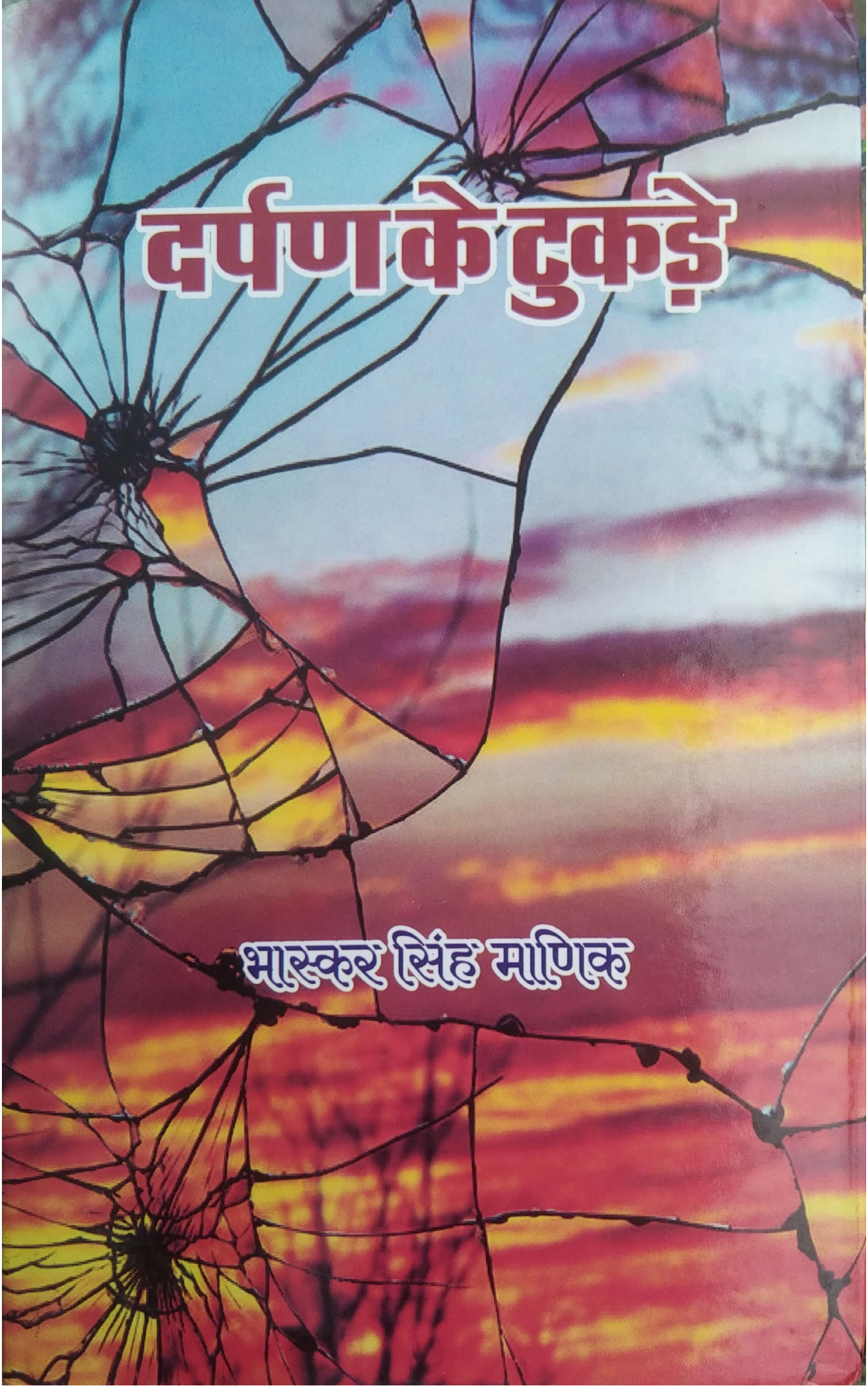

Scanned with OKEN Scanner

दर्पण के टुकड़े

भास्करसिंहमाणिक

भास्करसिंह "माणिक"

Scanned with OKEN Scanner

कापी राइट : लेखक के पास सुरक्षित
प्रथम संस्करण : जनवरी, 2018
प्रतियाँ : 500
ISBN : 978-93-5300-283-1

पुस्तक का प्रकाशन उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान की प्रकाशन अनुदान योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2017–18 में किया गया है ।

मूल्य : 295.00 (दो सौ पन्चानवे मात्र)

प्रकाशक : भास्कर सिंह माणिक
भगतसिंह नगर, कोंच
जिला–जालौन (उत्तर प्रदेश)
पिनकोड – 285205
मोबाइल : 09936505493, 09651826449

मुद्रक : **अरविन्द प्रेस**
लवली चौराहा, मुखिया मार्केट, कोंच (जालौन)

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

1– दूसरा किसको मिला	1
2– बरगद	3
3– अब घर कहाँ	5
4– खूंटी पर	6
5– खड़े हैं मौन	7
6– माटी का घर	9
7– तितली इठलाकर बतलाएं	10
8– नहीं	12
9– आज कैसी अनमनी है	14
10– कब मनमीत बनोगे मेरे	15
11– चुनौती मोल लेता हूँ	16
12– तुम्हें नमन	17
13– कुछ कहा–अनकहा	18
14– मैं भारत की संतान हूँ	20
15– कब डरते हैं	22
16– मैं क्या लिखूंगा	23
17– क्या इतिहास नहीं देखा	25
18– रक्षक वीर महान उठो	26
19– भारत माँ को नमन	27
20– तुम्हें वतन पुकार रहा	29
21– बाधक नहीं हूँ	31
22– मन दर्पण के टुकड़े	32
23– चिंगारी	33
24– आजादी खतरे में है	35
25– जाग उठो	37
26– अब लौट आओ	38
27– पनपने नहीं देंगे	39
28– मिटा नहीं	40
29– स्वच्छ हमारा है उद्देश्य	41
30– तिरंगा फहरा कर गए	43
31– वीर जवान	44
32– गीत श्रृंगार के	45

Scanned with OKEN Scanner

33– विजय हमारी निश्चित है 46
34– मत कहो वो शब्द 47
35– बदलना ही पड़ेगा 48
36– पदरज शहीदों की 49
37– अपना वतन बचाना 50
38– ज्योति जगाने आया हूँ 52
39– आस्था चाहिए 54
40– कुछ करो 55
41– बचकर 56
42– पतझड़ अब भी लगता है 57
43– बदलो विचारों को 58
44– पहेली 59
45– समर्पण 60
46– देख रहा था 62
47– गाएं पखेरू गान 63
48– सपनों में झूलें अब 64
49– हम अभिसार करें 65
50– जागा पूरा गाँव 66
51– किससे बोलता 67
52– कहाँ खो गए वो पत्र 68
53– काट रहे अपने पाँव 70
54– मैं हो गया हूँ भार 71
55– फड़फड़ा रहे 73
56– कब जागोगे 74
57– मैं गीली माटी हूँ 75
58– गुनगुनाते रहे हम 76
59– चुनाव आ रहे हैं 77
60– सम्मान नहीं होता 79
61– कब हो गई शाम 80
62– आग 81
63– संघर्ष करो 82
64– सहानुभूति 83
65– सलीका 84

Scanned with OKEN Scanner

66– कब पूछा 85
67– नई किरन के लिए 86
68– प्रतीक्षा 88
69– हाशिए पर 89
70– पगड़ी 90
71– अभाव में 92
72– पत्थर 94
73– मानव जाग 96
74– पहला कदम 97
75– सच को सच हर बार कहूँगा 98
76– बचाओ अब 99
77– प्यार खो गया 101
78– रहने दो 103
79– किसे पुकारें 104
80– संदेश 105
81– बसंत 106
82– काँटो के गुच्छे उगा रहे 107
83– गीत मेरे स्वर तुम्हारे 109
84– यह बड़े हैं वृक्ष 110
85– नेह पाकर दोस्त दुश्मन भी बने 112
86– दीप जलाएं 113
87– लेकिन कलम नहीं बेचूंगा 114

Scanned with OKEN Scanner

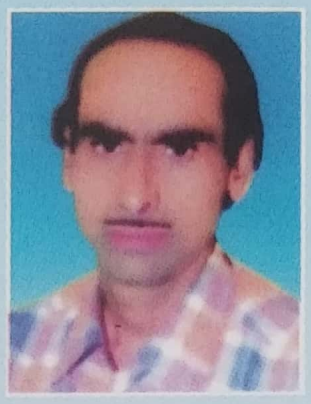

भास्कर सिंह माणिक

जन्म तिथि –	15 जुलाई 1969
जन्म स्थान –	कोंच, जनपद–जालौन (उ0 प्र0)
शिक्षा –	बी. ए.
संप्रति –	हिन्दी एवं बुन्देली में स्वतंत्र लेखन
सम्पर्क –	भगत सिंह नगर कोंच, जिला– जालौन (उ0 प्र0) 285205 मोबाइल नं0 – 9936505493
साहित्यिक अवदान–	कविता, गीत, गजल, लघुकथा, कहानी, आलेख, रूपक, नाटक, समीक्षा, अनुवाद आदि देश की प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रकाशित आकाशवाणी छतरपुर से अनेक बार काव्यपाठ प्रसारित अखिल भारतीय कवि सम्मेलनों में सहभागिता
अप्रकाशित–	मैं छोटा हूँ लेकिन (बाल कविता संग्रह) कुछ कहा–अनकहा (कविता संग्रह) माटी की सुगन्ध (बुन्देली कविता संग्रह) अपईं–अपईं बात (बुन्देली कहानी संग्रह) बुन्देलखण्ड का शौर्य (बुन्देली नाटक संग्रह)
पुरस्कार / सम्मान–	कविवर मैथिलीशरण गुप्त सम्मान 2001, मथुरा सृजन चेता सम्मान 2002, उरई (उ0प्र0) काव्य गौरव सम्मान 2007, कप्तानगंज, कुशीनगर साहित्य सुधाकर सम्मान 2011, ईगुई जालौन काव्य शिरोमणि सम्मान 2012, खकसीस जालौन खुशबू काव्य सम्मान 2012, रौन (म0प्र0) विवेकानन्द–स्मृति सम्मान 2013, मिहौना (म0प्र0) साहित्य भूषण सम्मान 2016, मोंठ, झाँसी (उ0प्र0) लगभग 45 अन्य संस्थाओं द्वारा सम्मान वअभिनन्दन

Scanned with OKEN Scanner